22-04-2022

कर्नाटक के प्रतिनिधि मंडल के साथ एनएसआई निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन व अन्य।

कर्नाटक की चीनी मिलों की उत्पादकता बढ़ाएगा एनएसआई

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) कर्नाटक की मिलों में चीनी उत्पादकता बढ़ाने के लिए सहयोग करेगा। चीनी मिलों के कार्मिकों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। गुरुवार को कर्नाटक के अधिकारियों और एस निजलिंगप्पा शुगर इंस्टीट्यूट बेलागवी के गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों और विज्ञानियों के प्रतिनिधिमंडल ने एनएसआई का दौरा किया। एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने शैक्षणिक, अनुसंधान और परामर्श कार्यों की प्रस्तुति दी। प्रतिनिधि मंडल ने एनएसआई के एथेनॉल और स्पेशल चीनी प्रभाग के कामकाज को देखा। एस निजलिंगप्पा शुगर इंस्टीट्यूट के उपाध्यक्ष अशोक पाटिल ने कहा कि उत्तर और दक्षिण कर्नाटक में गन्ने की उत्पादकता में बहुत अंतर है। एनएसआई की मदद से यह अंतर खत्म किया जाएगा। इस मौके पर सहायक आचार्य शर्करा प्रौद्योगिकी अशोक गर्ग और दूसरे संकायों और संभागों के अधिकारी मौजूद रहे। (ब्यूरो)

चीनी कारखानों की उत्पादकता बढ़ाने पर जोर

कानपुर (नगर छाया समाचार)। कर्नाटक राज्य के अधिकारियोंऔर एस निजलिंगप्पा शुगर इंस्टीट्यूट, बेलागवी, कर्नाटक के गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों व वैज्ञानिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज कर्नाटक स्थित संस्थान और गन्ना उद्योग के विकास में सहायता लेने के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का दौरा किया।

प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए, श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने संस्थान की गतिविधियों, विशेष रूप से शैक्षणिक, अनुसंधान और परामर्श कार्यों की एक प्रस्तुति दी। उन्होंने प्रतिनिधियों को एस निजलिंगप्पा शुगर इंस्टीट्यूट वकर्नाटक में चीनी उद्योग के विकास में संस्थान की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। एस निजलिंगप्पा शुगर इंस्टीट्यूट द्वारा दी जा रही बी. टेक.(शर्करा विज्ञान व प्रौद्योगिकी) की योग्यता को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर से चीनी प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर करने के लिए प्रवेश योग्यता के रूप में जोड़ा गया है और हम कर्नाटक चीनी कारखानों के तकनीकी कर्मियों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की संभावनाओं का पता लगाएंगे, श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने कहा।

इसके बाद, प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में चल रही गतिविधियों का अवलोकन करने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं, प्रायोगिक चीनी मिल, फार्म और अन्य स्थलों का दौरा किया। प्रतिनिधियों द्वारा छात्रों को व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विकसित सुविधाओं को जानने के लिए अपनी गहरी रुचि व्यक्त की गयी और इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग डिवीजन में स्वचालित प्रवाह और तापमान नियंत्रण इकाइयों के कामकाज का अवलोकन किया गया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा इथेनॉल और स्पेशल चीनी प्रभाग के कामकाज को देखने में भी रुचि दिखायी गयी। ।

इस यात्रा से हमें बहुत लाभ हुआ है और हम एस निजलिंगप्पा शुगर इंस्टीट्यूट के पुनर्गठन और कर्नाटक में चीनी कारखानों की उत्पादकता बढ़ाने में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर की और मदद मांगेंगे। अभी भी उत्तर और दक्षिण कर्नाटक में गन्ने की उत्पादकता में महत्वपूर्ण अंतर है और हम आशा करते हैं कि राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की मदद से इसे पाटना हमारे लिए संभव होगा, श्री अशोक पाटिल, उपाध्यक्ष, एस. निजलिंगप्पा शुगर इंस्टीट्यूट ने कहा।

श्री अशोक गर्ग, सहायक आचार्यशर्करा प्रौद्योगिकी सह शिक्षा प्रभारी एवं अन्य संकाय सदस्य विभिन्न संभागों के दौरे के दौरान प्रतिनिधियों के साथ रहे।

नाइजीरिया की चीनी मिल इकाई के प्रबंधक कर्मियों को प्रशिक्षित करेगा एनएसआई

मई के अंतिम सप्ताह में शुरू होगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

कानपुर, 16 अप्रैल। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आगामी महीने के दौरान विभिन्न देशों के लिए शर्करा प्रौद्योगिकी और शर्करा इंजीनियरिंग विषयों में अल्प अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा। वर्चुअल माध्यम से आयोजित होने वाले कार्यक्रम को मेसर्स सुनती गोल्डन शुगर एस्टेटस नाइजीरिया के साथ पूर्व में अंतिम रूप दे दिया गया, जो मई 2022 के अंतिम सप्ताह में शुरू होगा। कार्यक्रम में इकाई के प्रबंधक, मिल और विद्वत पर्यवेक्षक और गुणवत्ता नियंत्रण विभाग के तकनीकी कर्मचारी शामिल होंगे।

चीनी मिलो के संयंत्र के संचालन और रखरखाव के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण करने के लिए संस्थान के संकाय 120 आनलाइन व्याख्यान आयोजित करेंगे, जो रस निषकर्षण, रस की सफाई, रस का वाष्पीकरण और चीनी के क्रिस्टलीकरण केआदि ऊर्जा और जल संरक्षण के उपाय, गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र और मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने के लिए चीनी कारखानों के विभिन्न सह-उत्पादों के उपयोग रहेंगे। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहाकि आनलाइन कार्यक्रमों से विदेशी चीनी मिलो के कर्मचारियों के बड़े वर्ग को कम लागत पर लाभ मिल सकता है। उन्होंने बताया कि केन्या और कैमरून से भी अनुरोध प्राप्त हुए है। उन्होंने कहाकि हम मैसर्स वेस्ट केन्या शुगर कंपनी लि.केन्या के चीनी कारखानों के तकनीकी कर्मचारियों के लिए इस तरह का दूसरा कार्यक्रम शीघ्र आयोजित किया जाएगा।

शर्करा संस्थान संचालित करेगा ऑनलाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर शर्करा उद्योग से जुड़े लोगों के कौशल विकास के लिए अल्प अवधि वाले ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करेगा। नाइजीरिया सहित कई अन्य देशों के शर्करा उद्योग ने संस्थान से अपने कर्मियों को उक्त प्रशिक्षण दिलाने में रुचि दिखाई है। एक महीने के अवधि के पहले कार्यक्रम के लिए मेसर्स सुनती गोल्डन शुगर एस्टेट्स, नाइजीरिया के साथ संस्थान ने समझौता अनुबंध भी किया है जो मई अंतिम सप्ताह से शुरू होगा।

> नाइजीरिया के चीनी उद्योग कर्मियों के लिए पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम मई के अंतिम सप्ताह में

निदेशक शर्करा संस्थान प्रो. नरेन्द्र मोहन के अनुसार संस्थान चीनी मिलों के संयंत्र संचालन और रखरखाव के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण के लिए संस्थान के संकाय 120 ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित करेंगे। यह व्याख्यान रस निष्कर्षण, रस की सफाई, रस का वाष्पीकरण और चीनी के क्रिस्टलीकरण, ऊर्जा व जल संरक्षण के उपाय, गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र और मूल्यवर्धित उत्पाद बनाने के लिए चीनी मिलों के विभिन्न सह-उत्पादों के उपयोग पर होंगे।

प्रो. मोहन ने बताया कि कोरोना को लेकर व्याप्त अनिश्चितताओं के कारण विदेशी चीनी मिलों ने अपने कार्मिकों के प्रशिक्षण के लिए नियमित पाठ्यक्रमों के बजाय ऑनलाइन कार्यक्रमों में रुचि दिखाई है। इससे उनके प्रशिक्षण लागत में भी कमी आयेगी। संबंधित कार्यक्रमों के लिए केन्या और कैमरुन से भी अनुरोध प्राप्त हुए हैं। मेसर्स वेस्ट केन्या शुगर कंपनी लिमिटेड, केन्या के तकनीकी कर्मचारियों के लिए इस तरह का दूसरा कार्यक्रम भी शीघ्र आरंभ किया जायेगा।